Defence Supplies in the Ministry of Defence (Shri Hathi): (a) and (b). Shri Othiko Daiho, a former Finance Minister of Manipur, is reported to have gone to village Sajouba on 3-9-1965. He returned to Imphal on 21-10-1965. Since no complaint of kidnapping was lodged by him, members of his family or by any other person, it may be assumed that he was not kidnapped.

Petro-chemical Corporation in the Public Sector

*135. **Shri P. C. Borooah:**
Shri Onkar Lal Berwa:
Shri Brij Raj Singh:
Shri Gokaran Prasad:
Shri Subodh Hansda:
Shri S. C. Samanta:

Will the Minister of **Petroleum and Chemicals** be pleased to refer to the reply given to Starred Question No. 770 on the 22nd September, 1965 and state:

(a) whether a decision has since been taken on the proposal to set up a Petro-chemical Corporation in the public sector; and

(b) if so, the broad features thereof?

The Minister of State in the Ministry of Petroleum and Chemicals (Shri Alagesan): (a) and (b). The matter is still under consideration of Government.

जासूसों की गतिविधियां

*136. **श्री म० ला० द्विवेदी :**
श्री स० चं० सामन्त :
श्री पाराशर :
श्री श० ना० चतुर्वेदी :
श्री हुकम चन्द कछवाय :
श्री मोहसिन :
श्री प्र० चं० बख्शी :

क्या गृह-कार्य मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या सरकार ने हमारे विरोधी देशों के पंचमांगियों, जासूसों तथा घुसपैठियों की तोड़-फोड़ करने की गतिविधियों को रोकने के लिये पर्याप्त प्रबन्ध कर रखा है ;

(ख) यदि हां, तो इस व्यवस्था को स्थिति का प्रभावशाली ढंग से तथा विस्तृत पैमाने पर सामना करने के योग्य बनाने के लिये क्या निर्णय किये गये हैं ;

(ग) क्या सरकार ने इस आशय के कोई आदेश जारी किये हैं कि आवश्यक तथ्यों का निश्चय किये बिना केवल सन्देह होने पर ही किसी वफादार नागरिक के साथ दुर्व्यवहार न किया जाये अथवा उसे तंग न किया जाये और यदि हां, तो वे आदेश क्या हैं ; और

(घ) आन्तरिक सुरक्षा तथा नागिरक सुरक्षा के लिये क्या उपाय किये जा रहे हैं ?

गृह-कार्य मंत्रालय में उपमंत्री (श्री ल० ना० मिश्र) : (क) जी, हां ।

(ख) विस्तार से सूचना देना जनहित की दृष्टि से ठीक नहीं होगा ।

(ग) कोई खास आदेश जरूरी नहीं होते । जनता के लोगों के साथ व्यवहार में अत्यधिक सतर्कता बरतने तथा व्यक्तियों को परेशानी से बचाने पर लगातार जोर दिया गया है । और इसका यथोचित प्रभाव पड़ा है ।

(घ) आन्तरिक सुरक्षा के उपायों में जासूसों, तोड़-फोड़ करने वालों तथा पंच-मांगियों के खिलाफ सतर्कता, प्रमुख निर्माणों की सुरक्षा, घुसपैठ को रोकना तथा सामान्यत: सम्भावित खतरों का सामना करने के लिये फौजी और पुलिस की ताकतों को बढ़ाना शामिल है । नागरिक सुरक्षा के बारे में होम गार्ड्स की संख्या बढ़ाना, प्रमुख निर्माणों तथा नागरिक क्षेत्रों की हवाई हमले से सुरक्षा के उपाय बरतना, वार्डेन्स-पद्धति में सुधार करना और नागरिक प्रतिरक्षा कार्यक्रमों में जनता का पूर्ण सहयोग प्राप्त करना शामिल हैं।